

व्रसावारण

EXTRAORDINARY

भाग ^I—सण्ड ^I
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 51] No 51] नई दिल्ली, बृत्पतियार, धर्मेल 6, 1967/वैश्व 16, 1889 NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 6, 1967/CHAITRA 16, 1889

इस भाग में भित्र प्ष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह ग्रलग संकलन के रूप में रक्षा जा सके। Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

श्रम, रोजगार तथा पुनैवास मंत्रालय

(पुर्नत्रास विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, 5 मप्रैल, 1967

सं या 1(1)/67-सी० औ० प्र.र० :—श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंद्रालय (पुनर्वास विभाग) के संकल्प संख्या 5(21)/66 श्रार० ई० दिनांक 6 जनवरी, 1967 द्वारा पश्चिम बंगाल में पुनर्वास कार्य के लिये गठित समीक्षा समिति के श्रध्यक्ष श्री श्रतुल्य घोष द्वारा त्याग पत्न देने पर श्री एन० सी० चटर्जी, संसद् सदस्य को श्रध्यक्ष नियुक्त करने का निर्णय किया गया है। यह भी निर्णय किया गया है कि श्री ए० सी० गृहा को समिति का उपाध्यक्ष नियुक्त किया जाये तथा श्री एम० सी० मुखर्जी, सचिव, शरणार्थी सहायता तथा पुनर्वास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार, श्री एस० एन० बनर्जी के स्थान पर सदस्य होंगे।

 उपरोक्त संकल्प में भ्राशिक संशोधन करते हुए समिति का संशोधित गठन निम्न प्रकार होगा :—

भष्टयक्ष

श्री एन० सी० घटर्जी, संसद्द सदस्य

उपाध्यक्ष

2. श्री ए० सी० गृहा

सदस्य

- 3. श्रीपी० धार० चकवर्ती
- 4. श्री एस० डी० शर्मा, उद्योग मंत्री, मध्य प्रदेश सरकार
- 5. श्री बालकृष्ण वास्तिक
- 6. श्री एम॰ सी॰ मुखर्जी सचिव, शरणार्थी सहायक्षा तथा पुनर्वास विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार
- े 7. भूगि मनिल दे, संयुक्त सचिव, श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) भारत सरकार
 - 8. श्री क्रारं एल वश्यास (एक विस्थापित व्यक्ति तथा सामाजिक कार्यकर्ता)

श्री एच० एँ हैं, श्रवरक्षुचिव, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार, सलाहकारी क्षमता में समिति के सहयोगी होंगे ।

श्री एम॰ एन॰ चन्दा उप-सचिव, श्रम, रोजगार तथा पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) समिति के सचिव के रूप में काँकि करेंगे।

3. भारत सरकार के उनते संकल्प की भ्रन्य शतीं में कोई परिवर्तन नहीं होगा।

मावेश

भारेग दिया जाग है कि इस संकृप की प्रतिलिश कि लिखित की भेज दी जाये।

- १ समिति के सदहा।
- २ भारा सरगरके मंत्राला विकाग ।
- ३ योजना आाोा, प्रधान मंत्रीका सिववातम, क्षेत्रिट सिववालय तथा राष्ट्रित के निजी तथा सैनिक सिवव ।
 - ४ राजा सरकारों। संत्र प्रशासित क्षेत्रों के मुख्य सविष्

यह भी द्वादेश दिया जाता है कि इस संकल्प को भारत के राजयत में धाम जान-कारी के लिशे प्रकाशित किया जाये।

बी० नन्जप्पा, सन्विव ।